भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

राज्य सभा

मौखिक प्रश्न सं. 249#

गुरुवार, 23 मार्च, 2023/2 चैत्र, 1945 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

उत्तर-पूर्वी क्षेत्र और सीमावर्ती पर्वतीय क्षेत्रों में पर्यटन को प्रोत्साहन दिया जाना

249#. ले. जनरल (डा.) डी.पी. वत्स (रिटा.):

क्या पर्यटन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या यह सच है कि सरकार देश में पर्यटन को पूरे उत्साह से प्रोत्साहन दे रही है;

(ख) यदि हां, तो सरकार द्वारा देश के उत्तर-पूर्वी क्षेत्र तथा सीमावर्ती पर्वतीय क्षेत्रों में क्या-क्या कार्य किए गए हैं; और

(ग) उपरोक्त क्षेत्रों में सरकार द्वारा पर्यटन के क्षेत्र में किन-किन संभावनाओं पर विचार किया जा रहा है?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री जी. किशन रेड्डी)

(क) से (ग) : एक विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है ।

*****

उत्तर-पूर्वी क्षेत्र और सीमावर्ती पर्वतीय क्षेत्रों में पर्यटन को प्रोत्साहन दिए जाने के संबंध में दिनांक 23.03.2023 के राज्य सभा के मौखिक प्रश्न सं. 249# के भाग (क) से (ग) के उत्तर में विवरण

(क) : जी हां, महोदय । सरकार देश में समग्र रूप से पर्यटन का संवर्धन कर रही है ।

(ख) और (ग) : पर्यटन मंत्रालय अपनी विभिन्न योजनाओं के माध्यम से देश के उत्तर-पूर्वी क्षेत्र तथा सीमावर्ती पहाड़ी क्षेत्रों सहित देश में पर्यटन का संवर्धन करता है । यह मंत्रालय स्वदेश दर्शन, तीर्थस्थान जीर्णोद्धार एवं आध्यात्मिक विरासत संवर्धन अभियान संबंधी राष्ट्रीय मिशन (प्रशाद) और केंद्रीय एजेंसियों को सहायता नामक अपनी प्रमुख योजनाओं के अंतर्गत देश में पर्यटन अवसंरचना विकास के लिए राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों/ केंद्रीय एजेंसियों को वित्तीय सहायता प्रदान करता है । यह वित्तीय सहायता विस्तृत परियोजना रिपोर्टों की प्रस्तुति, निधियों की उपलब्धता और योजना दिशानिर्देशों के अनुपालन के आधार पर दी जाती है । उत्तर-पूर्वी क्षेत्र तथा सीमावर्ती पहाड़ी इलाकों में उपरोक्त योजनाओं के अंतर्गत स्वीकृत परियोजनाओं का विवरण अनुबंध में दिया गया है ।

''आतिथ्य सहित घरेलू संवर्धन एवं प्रचार (डीपीपीएच)'' और ''विदेशों में संवर्धन एवं प्रचार (ओपीपी)'' नामक योजनाओं के तहत विभिन्न पहलों के माध्यम से भी देश के उत्तर-पूर्वी क्षेत्र और सीमावर्ती पहाड़ी इलाकों सहित पर्यटक गंतव्यों का संवर्धन किया जाता है । इस मंत्रालय की पहलें निम्नानुसार हैं :-

i. देश के उत्तर-पूर्वी क्षेत्र तथा सीमावर्ती पहाड़ी क्षेत्रों सहित भारत के विभिन्न पर्यटन गंतव्यों और उत्पादों के संवर्धन के लिए ''अतुल्य भारत'' ब्रांड लाइन के तहत घरेलू तथा अंतर्राष्ट्रीय बाजारों में प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक, ऑनलाइन तथा ऑउटडोर मीडिया अभियान चलाए जाते हैं ।
ii. पर्यटन मंत्रालय अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भारत के उत्तर-पूर्वी राज्यों की पर्यटन क्षमता के प्रदर्शन के लिए वर्ष 2013 से उत्तर-पूर्वी क्षेत्र में अंतर्राष्ट्रीय पर्यटन मार्ट (आईटीएम) का आयोजन कर रहा है । पर्यटन मंत्रालय ने दिनांक 17-19 नवम्बर, 2022 को आइजोल, मिजोरम में 10वें अंतर्राष्ट्रीय पर्यटन मार्ट का आयोजन किया।
iii. पर्यटन मंत्रालय ने घरेलू पर्यटन के संवर्धन के लिए नवम्बर, 2020 में बाजार विकास सहायता (एमडीए) योजना के दिशानिर्देशों में संशोधन किया है ताकि योजना के दायरे और पहुंच में विस्तार करके हितधारकों को अधिकतम लाभ प्रदान किए जा सकें । संशोधित एमडीए दिशानिर्देशों के अनुसार हितधारकों को घरेलू पर्यटन के

संवर्धन के लिए वित्तीय सहायता दी जाती है । अब राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों के पर्यटन विभाग भी इस योजना के अंतर्गत वित्तीय सहायता पाने के पात्र हैं । जम्मू एवं कश्मीर तथा लद्दाख संघ राज्यक्षेत्रों सहित उत्तर-पूर्वी भारत के राज्यों के लिए ऑनलाइन संवर्धन सहित अतिरिक्त संवर्धन कार्यकलाप शामिल किए गए हैं । एमडीए योजना के तहत अनुमत वित्तीय सहायता की मात्रा में भी वृद्धि की गई है ।

इसके अतिरिक्त, किसी पर्यटक गंतव्य के विकास के लिए प्रभावशाली एवं उपयुक्त कनेक्टिविटी महत्वपूर्ण घटकों में से एक है । पर्यटन मंत्रालय ने महत्वपूर्ण पर्यटक स्थलों तक कनेक्टिविटी को और बेहतर बनाने के लक्ष्य से चैम्पियन सेवा क्षेत्र योजना (सीएसएसएस) के अंतर्गत व्यवहार्यता अंतराल वित्तपोषण (वीजीएफ) के रूप में वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए नागर विमानन मंत्रालय के साथ गठबंधन किया है । वर्तमान में पर्यटन मंत्रालय द्वारा 59 पर्यटन आरसीएस-उड़ान (टी-आरसीएस) रूटों को अनुमोदन प्रदान किया गया है जिसमें से 51 रूट पहले ही प्रचालनरत हैं । इनमें से 18 रूट उत्तर-पूर्वी भारत के लिए समर्पित हैं और ये सभी प्रचालनरत हैं ।

उपरोक्त योजनाओं के अंतर्गत कार्यकलापों का कार्यान्वयन एक सतत प्रक्रिया है । इसके अतिरिक्त स्थायी और जिम्मेदार पर्यटक गंतव्यों के विकास के लिए संशोधित स्वदेश दर्शन योजना 2.0 (एसडी 2.0) के अंतर्गत देश के उत्तर-पूर्वी क्षेत्र और सीमावर्ती पहाड़ी इलाकों में नये गंतव्यों का चयन किया गया है जिनकी सूची नीचे दी गई है :-

i. असम – जोरहाट और कोकराझार
ii. अरुणाचल प्रदेश – बोमझीर और मुचुका
iii. मेघालय – शिलांग और सोहरा
iv. मिजोरम – आइजोल तथा चम्पई
v. नागालैंड – न्यूलैंड तथा चुमुकेदिमा
vi. सिक्किम – गंगटोक तथा ग्यालशिंग
vii. त्रिपुरा – अगरतला तथा उनाकोटी
viii. लद्दाख – लेह तथा कारगिल
ix. उत्तराखण्ड – पिथौरागढ़ और चम्पावत

*****

अनुबंध

उत्तर-पूर्वी क्षेत्र और सीमावर्ती पर्वतीय क्षेत्रों में पर्यटन को प्रोत्साहन दिए जाने के संबंध में दिनांक 23.03.2023 के राज्य सभा के मौखिक प्रश्न सं. 249# के भाग (ख) और (ग) के उत्तर में विवरण

स्वदेश दर्शन योजना के तहत उत्तर-पूर्वी क्षेत्र और सीमावर्ती पहाड़ी क्षेत्रों में पर्यटन मंत्रालय द्वारा स्वीकृत परियोजनाओं का विवरण:

(करोड़ रु. में)

क्र. सं.	राज्य/संघ राज्यक्षेत्र	परिपथ का नाम	परियोजना का नाम	स्वीकृत राशि*	निर्मुक्त राशि
वर्ष 2014-15					
1	अरुणाचल प्रदेश	उत्तर-पूर्वी परिपथ	भालुकपोंग-बोमडिला और तवांग का विकास	49.77	47.28
वर्ष 2015-16					
2	मणिपुर	उत्तर-पूर्वी परिपथ	मणिपुर: इंफाल - खोंगजोम में पर्यटक परिपथ का विकास	72.23	61.32
3	सिक्किम	उत्तर-पूर्वी परिपथ	रंगपो (प्रवेश) - रोराथांग - आरिटार - फादमचेन - नथांग - शेराथांग - सोंगमो - गंगटोक - फोडोंग - मंगन - लाचुंग - यमथांग - लाचेन - थांगु - गुरूडोंगमेर - मंगन - गंगटोक - तुमिन - लिंगी - सिंगटम (निकास) को जोड़ने वाले पर्यटक परिपथ का विकास ।	98.05	97.41
4	उत्तराखण्ड	ईको परिपथ	टिहरी झील के आसपास टिहरी-चंबा-सरैन का विकास ।	69.17	69.17
5	नागालैंड	जनजातीय परिपथ	जनजातीय परिपथ पेरेन-कोहिमा-वोखा का विकास	97.36	92.49
6	मिजोरम	उत्तर-पूर्वी परिपथ	थेनजोल और दक्षिण जोटे, जिला सेरछिप और रीक का विकास ।	92.26	92.26
7	असम	वन्यजीव परिपथ	मानस-प्रोबिटोरा-नामेरी-काजीरंगा-डिब्रू-सैखोवा का विकास	94.68	89.94
8	अरुणाचल	उत्तर-पूर्वी	नफरा-सेप्पा- पप्पू, पासा, पक्के घाटियों-	96.72	91.88

	प्रदेश	परिपथ	संगडुपोटा-नई सगली-जीरो-योमचा का विकास		
9	त्रिपुरा	उत्तर-पूर्वी परिपथ	अगरतला-सिपाहिजाला-मेलाघर-उदयपुर-अमरपुर-तीर्थमुख-मंदिरघाट-डंबूर-नारीकेलकुंजा-गंडाचार-अंबासा का विकास	82.85	73.30
वर्ष 2016-17					
10	जम्मू एवं कश्मीर	हिमालयन परिपथ	जम्मू-श्रीनगर-पहलगाम-भगवती नगर-अनंतनाग-सलामाबाद उरी-कारगिल-लेह का विकास	77.33	61.87
11	मेघालय	उत्तर-पूर्वी परिपथ	उमियम (लेक व्यू), यू लुम सोहपेटबिनेंग-मावडियांगडियांग - आर्किड लेक रिजॉर्ट का विकास	99.13	99.11
12	मणिपुर	आध्यात्मिक परिपथ	श्री गोविंदजी मंदिर, श्री बिजॉय गोविंदजी मंदिर-श्री गोपीनाथ मंदिर- श्री बंगशीबोदन मंदिर - श्री कैना मंदिर का विकास	45.34	43.04
13	सिक्किम	उत्तर-पूर्वी परिपथ	सिंगटम-माका-टेमी-बेरमोइक टोकेल-फोंगिया-नामची-जोरेथांग-ओखरे-सोमबरिया-दारमदीन-जोरेथांग-मेली (निकास) को जोड़ने वाले पर्यटक परिपथ का विकास	95.32	90.55
14	नागालैंड	जनजातीय परिपथ	मोकोकचुंग-तुएनसांग-मोन का विकास	98.14	93.24
15	उत्तराखण्ड	विरासत परिपथ	कुमाऊँ क्षेत्र का विकास - कटारमल - जोंगेश्वर - बैजनाथ - देवीधुरा।	76.32	67.62
16	जम्मू एवं कश्मीर	हिमालयन परिपथ	जम्मू-राजौरी-शोपियां-पुलवामा में पर्यटक सुविधाओं का विकास	81.60	67.35
17	जम्मू एवं कश्मीर	हिमालयन परिपथ	पर्यटन सुविधाओं का विकास-पीएम विकास पैकेज के तहत वर्ष 2014 में बाढ़ में नष्ट हुई संपत्तियों के बदले संपत्ति का निर्माण	90.43	74.70
18	जम्मू एवं कश्मीर	हिमालयन परिपथ	मंतलाई और सुधमहादेव में पर्यटक सुविधाओं का विकास	92.00	87.19
19	जम्मू एवं कश्मीर	हिमालयन परिपथ	अनंतनाग-किश्वर-पहलगाम-दकसुम-रंजीतसागर बांध पर पर्यटक सुविधाओं का विकास	86.39	69.95
20	जम्मू एवं कश्मीर	हिमालयन परिपथ	गुलमर्ग-बारामूला-कुपवाड़ा-कारगिल-लेह में पर्यटक सुविधाओं का विकास	91.84	73.45

21	असम	हिमालयन परिपथ	तेजपुर-माजुली-शिवसागर का विकास	90.98	86.42
22	हिमाचल प्रदेश	हिमालयन परिपथ	हिमालयन परिपथ का विकास: कियारीघाट, शिमला, हाटकोटी, मनाली, कांगड़ा, धर्मशाला, बीर, पालमपुर, चंबा	68.34	64.55
23	मिजोरम	ईको परिपथ	ईको-एडवेंचर परिपथ का विकास आइजोल-रॉपुइछिप-खावफावप-लेंगपुई-चतलांग-सकार्वमुइतुइतलैंग-मुथी-बेरातलावंग-तुइरियल एयरफील्ड-मुइफांग	66.37	49.53
वर्ष 2018-19					
24	त्रिपुरा	उत्तर-पूर्वी परिपथ	सूरमाचेरा-उनाकोटि-जम्पुई हिल्स-गुनबती-भुननेश्वरी-नीरमहल-बोक्सानगर-छोटाखोला-पिलक-अवंगचार्रा का विकास	44.83	18.37
25	मेघालय	उत्तर-पूर्वी परिपथ	पश्चिम खासी पहाड़ियों का विकास (नोंगखलॉ-क्रेमतिरोट-खुदोई और कोहमंग जलप्रपात-खरी नदी- मौथाद्राइशन, शिलांग), जयंतिया पहाड़ियां (क्रांग सूरी जलप्रपात- शिरमांग-लुक्सी), गारो हिल्स (नोकरेक रिजर्व, कट्टाबील, सिजू गुफाएं)	84.97	72.22

प्रशाद योजना के तहत उत्तर पूर्वी क्षेत्र और सीमावर्ती पहाड़ी क्षेत्रों में पर्यटन मंत्रालय द्वारा स्वीकृत परियोजनाओं का विवरण:

(करोड़ रु. में)

क्र. सं.	राज्य/संघ राज्यक्षेत्र	#	परियोजना का नाम	स्वीकृति वर्ष	अनुमोदित लागत	निर्मुक्त राशि
1.	अरुणाचल प्रदेश	1.	परशुरामकुंड, लोहित जिला का विकास	2020-21	37.88	7.34
2.	असम	2.	गुवाहाटी और उसके आसपास कामाख्या मंदिर और तीर्थस्थल का विकास**	2015-16	29.80	29.80
3.	जम्मू एवं कश्मीर	3.	हजरतबल में विकास,	2016-17	40.46	32.37
4.	मेघालय	4.	मेघालय में तीर्थ यात्रा सुविधा का विकास	2020-21	29.32	17.59

5.	मिजोरम	5.	प्रशाद योजना के तहत मिजोरम राज्य में तीर्थयात्रा और विरासत पर्यटन के लिए अवसंरचना का विकास	2022-23	44.88	दिनांक 14.12.22 को प्रशा. स्वीकृति
6.	नागालैंड	6.	नागालैंड में तीर्थयात्रा अवसंरचना का विकास	2018-19	25.26	21.33
		7.	प्रशाद योजना के तहत जुन्हेबोटो, नागालैंड में तीर्थयात्रा और पर्यटन अवसंरचना का विकास	2022-23	18.18	दिनांक 4.11.22 को प्रशा. स्वीकृति
7.	सिक्किम	8.	फोर पेट्रन सेंट्स, युकसोम में तीर्थ यात्रा सुविधा का विकास	2020-21	33.32	18.50
8.	त्रिपुरा	9.	त्रिपुर सुंदरी मंदिर, उदयपुर का विकास	2020-21	37.80	21.18
9.	उत्तराखण्ड	10.	केदारनाथ का एकीकृत विकास**	2015-16	34.77	34.77
		11.	प्रशाद योजना के तहत बद्रीनाथ जी धाम (उत्तराखंड) में तीर्थ यात्रा सुविधा के लिए अवसंरचना का विकास	2018-19	56.13	20.79
		12.	प्रशाद योजना के तहत उत्तराखंड में तीर्थयात्रा अवसंरचना सुविधाओं और गंगोत्री तथा यमुनोत्री धाम का विस्तार	2021-22	54.36	14.06

केंद्रीय एजेंसियों को सहायता योजना के तहत उत्तर-पूर्वी क्षेत्र और सीमावर्ती पहाड़ी क्षेत्रों में पर्यटन मंत्रालय द्वारा स्वीकृत परियोजनाओं का विवरण

(लाख रु. में)

क्र. सं.	वर्ष	राज्य का नाम	परियोजना का नाम	एजेंसी	स्वीकृत राशि	निर्मुक्त राशि
1	2020-21	मिजोरम	आइजोल, मिजोरम में कन्वेंशन सेंटर और संबंधित अवसंरचना का विकास	डब्ल्यूएपीसीओएस	3994.75	1570.71
2	2022-23	एनईआर	उत्तर-पूर्वी राज्य में 22	एनएचआईडीसी	4444.00	444.40

			व्यू प्वॉइंट्स का विकास (i) नागालैंड (2 व्यू पॉइंट) - 5.77 करोड़ रु. (ii) मेघालय (3 व्यू पॉइंट) - 6.26 करोड़ रु. मिजोरम (9 व्यू पॉइंट) - 12.78 करोड़ रु. अरुणाचल प्रदेश (4 व्यू पॉइंट) - 6.25 करोड़ रु. मणिपुर (3 व्यू पॉइंट) - 5.93 करोड़ रु. सिक्किम/पश्चिम बंगाल (1 व्यू पॉइंट) - 3.70 करोड़ रु.	एल		
3	2012-13	जम्मू एवं कश्मीर	डल झील (निगीन झील) में साउंड एंड लाइट शो	आईटीडीसी	500.00	400.00
4	2020-21	लेह एवं लद्दाख	लेह, लद्दाख में साउंड एंड लाइट शो और पर्यटक सुविधा केंद्र, कारगिल, लद्दाख में वॉटर स्क्रीन प्रोजेक्शन मल्टीमीडिया शो	आईटीडीसी	2321.99	515.99

*****